विभागीय प्रतिवेदन

हिन्दी विभाग

डॉ. अरुण कुमार मिश्र
विभागाध्यक्ष

महाविद्यालय का हिन्दी विभाग शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर गतिविधियों से निरंतर संपकृत है। अनेक शोध-पत्रों के प्रकाशन के साथ ही शोध-पत्रिका 'अन्वीक्षा' हिन्दी विभाग के आचार्य डॉ. अरूण मिश्र के संपादकत्व में निकल रही है वहीं महाविद्यालय के समाचार के रूप में त्रैमासिक न्यूज बुलेटिन डॉ. स्मृति शुक्ल के संपादन में तथा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'मानसी' का कुशल संपादन विभाग प्रध्यापक डॉ. नीना उपाध्याय के संयोजकत्व में निकल रही है।

डॉ. बी.एम. तिवारी अतिथि विद्वान प्रभारी - डॉ. प्रज्ञा अनुराज्ञी, प्रो. इंद्रसिंह बरकड़े परीक्षा स्वशासी सहा नियंत्रक प्रो. सुनील दुबे जनभागीदारी प्रभारी के रूप में महाविद्यालय का कार्य संपादित कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति भोपाल द्वारा आयोजित पावस व्याख्यान माला के अंतर्गत डॉ. स्मृति शुक्ल ने 'हिन्दी कहानी के नये आयाम' विषय पर अपना वक्तव्य दिया, डॉ. नीना उपाध्याय ने इस व्याख्यान माला में सहभागिता की। हिन्दी साहित्य परिषद द्वारा 31 जुलाई को प्राचार्य डॉ. उषा दुबे की अध्यक्षता में प्रेमचंद जयंती तथा 22 अगस्त 2015 को तुलसी जयंती का आयोजन किया गया।

दसवें विश्व हिन्दी सम्मेलन भोपाल में विभाग के डॉ. अरुण कुमार मिश्र, डॉ. नीना उपाध्याय, डॉ. प्रज्ञा अनुराज्ञी एवं डॉ. स्मृति शुक्ल ने प्रतिनिधि के रूप में भाग लेकर हिन्दी भाषा के संवर्धन एवं गरिमा अक्षुण्य रखने हेतु विचार विमर्श सत्र में भाग लिया। सितंबर 2015 को बनारस हिन्दू वि.वि. बनारस के स्वतंत्रता सभागार में 'महात्मा गाँधी के शिक्षा संबंधी अवधारणा पर डॉ. अरुण कुमार मिश्र ने अपना व्याख्यान दिया।

हिन्दी विभाग द्वारा 28 नवंबर 2015 को हिन्दी विभाग एवं नगर की साहित्यिक संस्था कादाम्बरी के संयुक्त तत्वावधान में रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

जनवरी 2016 में गुरुनानक महाविद्यालय सायन में प्रवासी साहित्य पर आयोजित द्वि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में डॉ. अरुण कुमार मिश्र ने विशिष्ट वक्ता के रूप में 'प्रवासी कथा साहित्य पर' शोध पत्र वाचन तथा वक्तव्य दिया।

विभाग की प्राध्यापक डॉ. नीना उपाध्याय ने फरवरी 2016 में वृंदावन शोध संस्थान मथुरा एवं व्यंजना आर्ट इलाहाबाद (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय शोध-सम्मेलन में 'भारतीय परिदृश्य में राधा कृष्ण प्रेमःएक दृष्टि' विषय पर शोध पत्र का वाचन किया।

विशेष - विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. के.एन.दुबे जी द्वारा विभाग के ग्रंथालय को हिन्दी साहित्य की अनमोल 158 पुस्तकें छात्राओं के अध्ययन हेतु प्रदान की गई हैं। आपके द्वारा दिया यह अमूल्य उपहार छात्राओं को निश्चित रूप से आगे बढ़ने व अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा। डॉ. दुबे का विभाग सदैव आभारी रहेगा ।

डॉ. स्मृति शुक्ल